सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः
₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 09 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 160, पृष्ठः 8+4

अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को तैयार शुभांशु शुक्ला

इनसाइड 11 सब्जी मसाला फैक्ट्रियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज » Pg 03

» Pg 12

शादी, हनीमून और फिर हत्या आठ दिन बाद राजा का शव मिला

17 दिन बाद रहस्यों से उठा पर्दा, सोनम ही निकली कातिल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मध्य प्रदेश के इंदौर से हनीमून मनाने के लिए मेघालय पहुंचे एक जोड़े के लापता होने का मामला चर्चा में रहा है। 23 मई को जब यह जोड़ा लापता हुआ, तब माना जा रहा था कि मेघालय के सोहरा क्षेत्र में घने जंगलों और कम आबादी की वजह से पति-पत्नी की खोज-खबर नहीं मिल पा रही है। इसके बाद मामला उलझता चला गया। लापता युवक का शव दो जून (सोमवार) को 150 फीट गहरी खाई में मिला था। युवक की पत्नी ने 17 दिन बाद उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में आत्मसमर्पण किया। 18 दिन से मामले की जांच में जुटी मेघालय पुलिस ने आखिरकार गुत्थी को सुलझा लिया।

मौत की जानकारी के बाद उलझता गया केस : इंदौर के इस जोड़े के लापता होने का केस राजा का शव मिलने के बाद और उलझ गया था। दरअसल, भारी बारिश के बीच मेघालय पुलिस ने ड्रोन्स के जरिए राजा का शव ढूंढा। उनका शव बुरी तरह सड़ चुका था और चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। परिजनों ने एक टैटू के जरिए शव की पहचान की। हालांकि, राजा के शव के आसपास खोजबीन पर भी सोनम का कुछ पता नहीं चला था। परिजनों का कहना था कि अगर सोनम सुरक्षित होती तो खुद ही किसी से संपर्क करती, लेकिन उसका कोई पता नहीं है।

इतना ही नहीं राजा का शव वोइसाडोंग नाम की जगह पर मिला था। इस खोज अभियान में एसडीआरएफ़ स्पेशन ऑपरेशन

सोनम रघुवंशी ने किया आत्मसमर्पण।

सोनम का प्रेमी राज कुशवाहा।

टीम और एक माउंटेनियरिंग क्लब भी शामिल था। वोइसाडोंग में जहां शव मिला, वह जगह राजा-सोनम की तरफ से किराए पर ली गई स्कूटी की लोकेशन से 25 किलोमीटर की दूरी है। यह फासला मामले में और शक बढ़ाने वाला बना। राजा के शव के पास से न उनका मोबाइल मिला, न पर्स, और न ही राजा की पहनी सोने की चेन और अंगूठी। सिर्फ उसकी स्मार्टवॉच ही कलाई पर बंधी मिली थी।

राजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ था सनसनीखेज खुलासा : राजा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शरीर पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। लाश को खाई में फेंकने से शरीर की हड्डियां भी टूट गई थीं। शिलॉन्ग एसपी विवेक सिम ने इसकी पुष्टि की। पुलिस को घटनास्थल से ही राजा की हत्या में इस्तेमाल हथियार- डाओ भी मिला, जिसे जब्त कर लिया गया। इसके अलावा फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स ने आसपास के इलाकों में भी खोज जारी रखी है। पुलिस के मुताबिक, यह डाओ एकदम नई लग रही है, जिससे अंदेशा है कि इसे हत्या के इरादे से ही खरीदा गया होगा।

एक फोन कॉल पर फंसा था पेंच?

इस बीच इस जोड़े की तरफसे परिवार को किए गए एक फोन कॉल के जरिए जांचकर्ता मामले में सबूत जुटाने की कोशिश में थे। इस फोन कॉल में पहले सोनम को राजा की मां से बात करते सुना गया। इसके बाद खुद राजा ने भी अपनी मां से बात की। इस कॉल में सोनम ने बताया कि राजा उन्हें घने जंगल में ले आए हैं, जहां खड़ी चढ़ाई है। इस कॉल में सोनम को जोर-जोर से सांसें ले रही थीं, माना जा रहा है कि ऊंचाई वाली जगह पर पहुंचे थे।

आज क्या-क्या हुआ?

पुलिस ने सोमवार को खुलासा किया कि राजा रघुवंशी की हत्या मेघालय में हनीमून के दौरान उनकी पत्नी द्वारा किराए पर बुलाए लोगों ने की थी। डीजीपी आई नोंग्रांग ने बताया कि पत्नी सोनम ने यूपी के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जबकि तीन अन्य हमलावरों को रात भर की छापेमारी में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, 'एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश से पकड़ा गया, जबकि दो अन्य आरोपियों को एसआईटी ने इंदौर से पकड़ा।'

» विस्तृत खबर पेज 11 पर पढ़ें

एक और जिम्मेदारी मिली

ले. जनरल राजीव घई बनाए गए डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ

नई दिल्ली, स्वराज इंडिया ब्यूरो। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई मीडिया में लगातार सुर्खियां बटोर रहे थे। पाकिस्तान के डीजीएमओ ने सीजफायर के लिए राजीव घई को ही फोन किया था। वहीं, अब राजीव घई से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। भारत सरकार ने उन्हें डिप्टी चीफऑफ आर्मी स्टाफ नियुक्त किया है। इसके साथ ही वो भारत के डीजीएमओ के पद पर भी कार्यरत रहेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने दी जानकारी : रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक बयान के साथ इस खबर की पुष्टि की है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारतीय सेना और खुफिया एजेंसी समेत अन्य अहम विभागों के बीच सामंजस्य बिठाने के लिए डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रैटजी) की पोस्ट बनाई गई है। यह भारतीय सेना के अहम पदों में से एक होगा। बता दें कि 4 जून को हुए रक्षा अलंकरण समारोह 2025 के दौरान लेफ्टिनेंट राजीव घई को उत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था।

कोर्ट ने दी सशर्त अनुमति

आतंकी तहव्वुर राणा परिवार से फोन पर कर सकेगा बात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। मुंबई में साल 2008 में हुए आतंकी हमलों की साजिश रचने वाले तहव्वुर राणा को भारत लाया गया। अब दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में मामला चल रहा है। अमेरिका में परिवार से फोन पर बात करने के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को अपने परिवार से फोन के जरिए एक बार बात करने की इजाजत पाटियाला हाउस कोर्ट दी है। कोर्ट ने सोमवार से 10 दिनों के भीतर राणा के स्वास्थ्य पर एक नई रिपोर्ट भी मांगी है। न्यायाधीश ने कहा कि यह कॉल जेल मैनुअल के अनुरूप होगी।

आईएएस अधिकारी के घर से नोटों का जखीरा बरामद

रिश्वत मामले में विजिलेंस विभाग की छापेमारी में घर से निकले 47 लाख

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

भुवनेश्वर। ओडिशा से पिछले एक सप्ताह में रिश्वतखोरी का दूसरा बड़ा मामला सामने आया है। प्रवर्तन निदेशायल (ईडी) अधिकारी के बाद अब भारतीय प्रशासनिक सेवा में तैनात (आईएएस) अधिकारी 10 लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया है। आरोपी आईएएस अधिकारी ओडिशा के कालाहांडी जिले के धर्मगढ़ में उप जिलाधिकारी के रूप में तैनात हैं। ओडिशा के सतर्कता विभाग ने शनिवार को रिश्वत मामले में आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी ऑफिशियल प्रेस रिलीज जारी कर दी गई है।

रिश्वत के मामले में जारी की गई प्रेस रिलीज में बताया गया है कि उपजिलाधिकारी के सरकारी आवास पर छापेमारी की गई, जहां से अभी तक 47 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। वहीं इस छापेमारी में बरामद नोटों को एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें 500 व 200 रुपये की नोटों की गड्डियां दिख रहीं हैं।

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है, रिश्वत मामले में गिरफ्तार आईएस अधिकारी का नाम धीमन चकवा है। इनकी छवि रिश्वतखोर अधिकारी की नहीं है। 2021 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। प्रेस रिलीज के अनुसार कालाहांडी जिले के धर्मगढ़ में उप जिलाधिकारी के रूप में तैनात धीमन ने स्थानीय व्यापारी से 20 लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। उसी 20 लाख की किश्त के रूप 10 लाख रुपये ले रहे थे। इसी दौरान भंडा फूट गया। अनुसार उपजिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता को अपने सरकारी आवास पर बुलाकर रिश्वत ले रहे थे। उन्होंने नोटो की गड्डी ली और अपने दराज में रख दी। प्रेस रिलीज में बताया गया कि विभाग ने आरोपी उप जिला अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

सपा का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा खासपुर गांव

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बीते दिनों खासपुर गांव में पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर हुए हमले को लेकर राजनीतिक दखल के बाद चर्चाओं मे आए गांव में रविवार को सपा के जिला अध्यक्ष कानपुर ग्रामीण, पूर्व विधायक मुनीन्द्र शुक्ला के नेतृत्व में सपा का प्रतिनिधि मंडल खासपुर गांव पहुंचा। सपाइयों ने पीड़ित पूर्व प्रधान से मिलकर उनका हाल चाल जाना और पूरे घटनाक्रम को समझा। साथ ही हर संभव मदद का आश्वासन दिया। और प्रशासन से पीड़ित परिवार की सुरक्षा की मांग की। इस दौरान सपा नेता निर्भय सिंह,आशीष यादव,असद,रचना गौतम समेत दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

बताते चलें कि बीती 25 मई को अरौल थाना क्षेत्र के खासपुर गांव में पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर पुरानी रंजिश को मानते हुए कुल लोगों ने हमला बोल दिया था। जिसके बाद गांव में राजनीति होने लगी और सियासतदानों ने इसका पूरा फायदा उठाया। क्षेत्र के एक चर्चित नेता के इशारों पर गांव में तीन दर्जन लोगों ने खासकर एक बिरादरी के लोगों ने ज़ब मकान बिकाऊ के पोस्टर लगाए तो मामले में और सियासत होने लगी। सूबे के प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामलों

» सपाई पूर्व प्रधान से मिले और जाना हालचाल

» पुलिस मामले में आरोपियों को भेज चुकी है जेल

के मंत्री आशीष पटेल ने बीते शनिवार को गांव पहुंचकर पीड़ित पूर्व प्रधान का हौसला बढ़ाया और हमलावरों पर कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंत्री के शब्दों ने पूर्व प्रधान के जख्मों पर मरहम का काम किया। पुलिस ने मामले के आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, शनिवार 07 जून, 2025 02

खासपुर गांव की गरमाई सियासी जमीन

» गांव पहुंच मंत्री आशीष पटेल

ने कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती, बोले किसी से डरने की कोई जरूरत नहीं

कहा कि समस्या होने पर उन्हें बताएं वह तुरंत आयेंगे

खासपुर गांव पहुंच लोगों को समझाया बुझाया

पुलिस इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह को दिए सख्त दिशा निर्देश

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। सूबे के प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री आशीष पटेल ने शनिवार को बिल्हौर के खासपुर गांव में कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती है और उससे सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि आप लोग कतई परेशान न हो यदि कोई समस्या होती है तो हमें फोन करें और हम 4 से 6 घंटे के अंदर आपके पास उपस्थित होंगे। उल्लेखनीय है कि बिल्हौर का यह गांव पिछले कई दिनों से चर्चा का विषय बना हुआ है।

यहां के पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर जानलेवा हमला किया गया था। इसके बाद से राजनीति अचानक गरमा गई थी जिसमें स्थानीय विधायक राहुल बच्चा और सपा की नेत्री रचना सिंह आमने-सामने आ गई थी। गांव में कई पोस्टर लग गए थे कि मकान बिकाऊ है। लोगों के पीछे संदेश गया था कि गांव के लोग डरकर घबराकर गांव से पलायन कर रहे हैं। यह खबर तेजी से आग की तरह फैली और उसके बाद प्रशासन सक्रिय हुआ। सोशल मीडिया ने आग में घी का काम किया। मामला तूल पकड़ने के बाद शासन ने इसे संज्ञान में लिया और आज सुबह कुर्मी बिरादरी का मामला होने के कारण सजातीय मंत्री आशीष पटेल को यहां पर भेजा गया। उन्होंने बड़े ही आत्मीय ढंग से लोगों के बीच अपनी बात रखी। जिससे लोगों के बीच का आक्रोश कुछ कम हुआ। साथ ही उन्होंने पुलिस इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव को सख्त निर्देश दिए कि गांव में कम से कम एक सिपाही परमानेंट तैनात किया जाए ताकि किसी प्रकार की छोटी बड़ी घटना की सूचना समय से पुलिस के अधिकारियों तक पहुंच सके। इस दौरान विधायक राहुल बच्चा सोनाकर, जेपी कटियार,रिंकू,जिलाउपाध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, बबलू कटियार, अंकित, उज्वल समेत भाजपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

48 घंटे में गिरफ्तारी नहीं तो गाँधीवादी तरीके से धरना देंगे

विधायक की शिकायत पर हल्का के दरोगा नपे

पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर हुए हमले की जाँच में लापरवाही बरतने वाले दरोगा दयाशंकर को उच्च अधिकारियों ने शुक्रवार को लाइन हाजिर कर दिया। बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर की शिकायत पर अधिकारियों ने दरोगा पर यह कार्रवाई की है। बताया जाता है कि गांव वाले दरोगा के व्यवहार से खुश नहीं थे।

चर्चित नेता का नाम लोगों की जुबान पर

सूत्रों के हवाले से जिस नेता के इशारों पर गांव में पलायन के कुछ लोगों ने पोस्टर चस्पा किए थे। स्वराज इंडिया अखबार में उसका जिक्र होने के बाद शुक्रवार उस चर्चित नेता की काफी चर्चा होती रही। हालांकि पुलिस इशारों ही इशारों में सब कुछ समझ गई है। खुफिया विभाग की भी उस चर्चित नेता पर नजर है। पुलिस अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उन लोगों पर भी कार्रवाई करेगी जो मामले को हवा देने में लगे थे।अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने का अब पूरा मन बना चुके है। अभी उनका टारगेट बाकी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजना है।

मुख्य आरोपी रामदीन धरा गया

पुलिस ने बताया है कि हमले का मुख्य आरोपी रामदीन गिरफ्तार कर लिया गया है। एक को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। अब तक मामले में पुलिस दो लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अन्य फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। अरौल इंस्पेक्टर का कहना है जल्द वह भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

...तो मामला इतना तूल नहीं पकड़ता

जानकारों की मानें तो पूर्व प्रधान पर हुए हमले में राजनीतिक रंग न चढ़ता तो मामला इतना तूल नहीं पकड़ता। नेता लोगों को बस अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकनी हैं। नेता लोग मामले में दखल न देते तो भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजती। लेकिन हो हल्ला करने वाले और पुलिस पर चढ़ बैठने वाले नेता जरा अपने गिरेबान में झाँककर देखें कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र के कितने गरीबों के घर जाकर उनका दर्द समझते हैं।और समस्या के समाधान के लिए कितना सक्रिय रहते हैं और लड़ाई लड़ते हैं।

सीएम सलाहकार अवनीश अवस्थी ने बांटे आयुष्मान कार्ड

» समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास सेवा समिति के कार्यक्रम में कानपुर आए थे अवनीश अवस्थी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सिटी के संत कवरराम हाल सिन्धी कॉलोनी शास्त्री नगर में विशाल आयुष्मान कार्ड एवं स्वास्थ्य शिविर का कैम्प लगाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी (मुख्य सलाहकार मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ उत्तर प्रदेश सरकार) ने भगवान श्री झूले लाल जी के आगे ज्योति जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

लगभग 415 लोगो ने स्वास्थ परीक्षण कराया और 357 लोगो ने आयुष्मान कार्ड का पंजीयन करा कर कार्ड बनवाया।

अमित खत्री ललित श्यामदासानी,श्याम लाल मूलचंदानी,विश्वनाथ आहूजा गौरव शिवानी ने आए हुए मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी को माला पहना कर स्वागत किया

,बलवंत मखीजा, ने अंगवस्त्र तथा अनिल डोडवानी, महेश मखीजा श्याम बिजलानी कैलाश निहलानी ने मोमेंटो देकर सम्मान किया। कानपुर की सभी मन्दिर , दरबार,आश्रम पंचायतों के 20 मुखियों को अंगवस्त्र,माला पहनाकर व मोमेंटो देकर सभी का सम्मान किया।

मुख्य अतिथि ने संस्था से कहा आप लोगो ने वरिष्ठ लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाकर समाज की सेवा की इस सन्दर्भ आप अति शीघ्र इन सभी वरिष्ठों को अयोध्या श्री राम जी के दर्शन कराने ले जाए सरकार पूरा सहयोग करेगी।

कार्यक्रम के बाद आए हुए सभी लोगों ने भंडारा प्रसाद चखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्याम लाल मूलचंदानी,अमित खत्री, ललित श्यामदासानी, अनिल डोडवानी, गौरव शिवानी, कैलाश नहलानी, बलवंत मखीजा, महेश माखीजा श्याम बिजलानी, घनश्याम छाबड़ा, चंद्र कुमार खिलवानी, रवि बदलानी, चंद्र भान मोहनानी, मनोज लालवानी, मुरारी चुग, बंटी सिधवानी, सुरेश कटारिया, बिहारी लाल बजाज, हरि गंगवानी, दिनेश कटारिया ,सुरेश धमीजा, राजकुमार मोटवानी मौजूद रहे।

11 सब्जी मसाला फक्ट्रियों के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज

» सब्जी मसाला की जांच में मिला कीटनाशक,

11 मसाला फैक्ट्रियों पर सीएमएम कोर्ट, चार का केस एडीएम सिटी कोर्ट में चलेगा

राहुल पांडेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। खाद्य एवं औषधि विभाग ने मिलावटखोरों पर बडी कार्रवाई करते हुए अशोक, गोल्डी समेत 11 मसाला फैक्ट्रियों के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। इन मसालों में कुछ अनसेफ तो कुछ अधोमानक हैं। मई 2024 में विभाग ने कई मसाला फैक्ट्रियों में छापे के बाद नमूने लिए थे। जिनकी रिपोर्ट आने के बाद फिर से जांच को भेजी गई थी। अब 11 मसाले अनसेफ और चार अधोमानक मिले हैं।

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि मिलावटखोरों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जाता है। जांच में अधोमानक या मिसब्रांड मिलने पर संबंधिक कंपनी के खिलाफ एडीएम सिटी कोर्ट में मुकदमा दायर किया जाता है। वहीं, जांच में अनसेफ आने पर सीएमएम कोर्ट में मुकदमा चलता है।

खाद्य विभाग के सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने बताया कि एक साल बाद रिपोर्ट फाइनल हो गई। इसमें 11 मसाला फैक्ट्रियों पर सीएमएम कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया हैं, वहीं चार का केस एडीएम सिटी कोर्ट में चलेगा। इसमें तीन साल की अधिकतम सजा और दस लाख का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है। फिलहाल विभाग ने संबंधित फैक्ट्रियो के मसालों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दो मई 2024 लिया था नमूना

MDH और एवरेस्ट मसालों के हानिकारक होने की सूचना के बाद खाद्य एवं औषधि विभाग ने मसाला फैक्ट्रियों पर ताबडतोड छापेमार कार्रवाई की। टीम ने एक और दो मई 2024 में मसालों के कारखानों में छापा मार, मसालों के 33 सैंपल लिए थे, लैब में की गई जांच में 23 नमूने अनसेफ पाए गए। फेल हुए नमूनों में माइक्रोबायोलॉजिकल कीटनाशक मिले। यह मसाले खाए जाने के लायक नहीं, इनमें कीटनाशक, दुषित पदार्थ और हानिकारक संदूषक पाए गए। मसाला कंपनी ने उन्हीं कुछ नमूने की जांच करवाई तो सब पलट गया, अब 15 अनेसफ और 18 सेफ हो गए। वहीं अशोक, गोल्डी समेत कई ब्रांडेड मसाले दूसरी जांच में भी फेल हो गए।

मसालों की जांच में मिले कीटनाशक तत्व

इन मसालों में जो माइक्रोबायोलॉजिकल कीटनाशक मिले हैं उनसे शरीर के कई ऑर्गन डैमेज हो सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए Ethylene o&ide से अधिक हानिकारक हैं। संजय प्रताप सिंह ने बताया कि मसालों में मिले कीटनाशक किसानों की गलती से नहीं है। जब मसाले लिए जाते हैं तो उनकी सफाई ठीक होनी चाहिए। सभी बडी फैक्ट्रियों में माइक्रोबायोलॉजिकल डिपार्टमेंट होता है वहां इन्हें चैक कराया जाना चाहिए।

दो दफा हुई नूमनों की जांच

यह जो नमूने खाद्य विभाग ने लिए थे, इसे जांच के लिए गुडगांव लैब भेजा गया था, जहां से जांच रिपोर्ट आई। इसमें अनसेफ मिले मसालों पर मसाला कंपनियों ने फिर से इसकी जांच करवाने का फैसला लिया। अब यह नमूने कोलकत्ता लैब जांच को भेजी गई। यहां जांच में गुडगांव लैब की कुछ रिपोर्ट गलत साबित हुईं।

बता दें कि खाद्य विभाग की जांच रिपोर्ट से संतुष्ट न होने पर संबंधित भी नमूने की जांच करा सकता है, इसके लिए लैब की फीस 15 से 20 हजार रूपए तक देनी होती है।

अनसेफ मसालों की जांच में क्या मिला

कीटनाशक वे रसायन होते हैं जिनका उपयोग कीड़ों को मारने के लिए किया जाता है।

क्लोरपाइरीफोस मिला, यह एक ऑर्गनोफॉस्फेट कीटनाशक है जिसका उपयोग फसलों, जानवरों और इमारतों और अन्य सेटिंग्स में, कीड़ों और कीड़ों सहित कई कीटों को मारने के लिए किया जाता है।

एंटरोबैक्टीरियासी रोगजनक बैक्टीरिया (बीमारी पैदा करने वाले एजेंट)

एथियोन मिला, एक ऑर्गनोफॉस्फेट कीटनाशक है

एंटरोबैक्टीरियासी रोगजनक बैक्टीरिया (बीमारी पैदा करने वाले एजेंट)

कैंसर, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर और एलर्जी हो सकती है

विदेश भी जाते है यहां के मसाले

अशोक, गोल्डी मसाले समेत कई फैक्ट्रियों के मसालों की सप्लाई विदेशों में भी होती है। भारत के कई प्रदेशों में इन मसालों की खासी डिमांड और बडे पैमाने पर इसको बेचा जाता है।

सीएमएम कोर्ट में दर्ज मुकदमे

मेसर्स अशोक मार्केटिंग कंपनी भवानीपुर मंथना गरम मसाला अनसेफ

मेसर्स अशोक मार्केटिंग कंपनी भवानीपुर मंथना धनिया पाउडर अनसेफ

मेसर्स अशोक गृह उद्योग केंद्र प्राइवेट लिमिटेड दादानगर गरम मसाला अनसेफ

मेसर्स गोविंद गृह उद्योग पनकी गरम मसाला अनसेफ

मेसर्स मंगलम इंटरप्राइजेज चकेरी मिर्चा पाउडर अनसेफ

मोहम्मद ओसामा बेकनगंज भुना जीरा पाउडर अनसेफ

मेसर्स अरावली मसाले प्राइवेट लिमिटेड चौबेपुर हल्दी पाउडर अनसेफ

पदमा प्रोडक्ट फैक्ट्री टीपी नगर सब्जी मसाले अनसेफ

रौनियार इंटरप्राइजेज यशोदा नगर सब्जी मसाले अनसेफ

रौनियार इंटरप्राइजेज यशोदा नगर गरम मसाला अनसेफ

मेसर्स स्पाइस फूड एलएलपी मंथना मिर्चा पाउडर अनसेफ

एडीएम सिटी कोर्ट दर्ज मुकदमे

मेसर्स शुभम गोल्डी मसाले प्राइवेट लिमिटेड दादानगर इंडस्ट्रीयल एरिया सांभर मसाला गोल्डी ब्रांड अधोमानक

मेसर्स शुभम गोल्डी मसाले प्राइवेट लिमिटेड दादानगर इंडस्ट्रीयल एरिया चाट मसाला गोल्डी ब्रांड अधोमानक

‘खबर बनी चेतावनी, बिजली विभाग ने बदला जानलेवा पोल’

स्थानीयों की आवाज बनी ताकत, बिजली विभाग ने बदला 11000 वोल्ट का खतरनाक खंभा

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वराज इंडिया न्यूज़ की सटीक और असरदार रिपोर्टिंग ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया है। टिकरा स्थित बाबा मार्केट के पास कल्याणपुर-शिवली मार्ग पर वर्षों से खतरे का सबब बना 11000 वोल्ट का टूटा हुआ बिजली का खंभा आखिरकार हटा दिया गया है।गौरतलब है कि दो दिन पूर्व प्रकाशित खबर में इस खंभे को लेकर स्थानीय लोगों की चिंता, विभागीय लापरवाही और संभावित जानलेवा खतरे को उजागर किया गया था। रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद आमजन में चेतना और विभाग में हलचल देखने को मिली।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, शुक्रवार 06 जून, 2025 04

कानपुर में मौत का खंभा! 11000 वोल्टेज का टूटा पोल बना जानलेवा खतरा

» डर के साए में हर रोज गुजरते हैं हजारों लोग, बिजली विभाग बेखबर

» स्थानीयों की शिकायतों पर नहीं हो रही कोई कार्रवाई, बड़ा हादसा कभी भी संभव

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर से शिवली जाने वाले मार्ग पर टिकरा स्थित बाबा मार्केट के समीप 11000 वोल्टेज का एक बिजली का खंभा पूरी तरह से नीचे से टूटा हुआ है, जो सिर्फ ऊपर से लटके हाई वोल्टेज तारों के बल पर खड़ा है। यह खंभा किसी भी वक्त गिर सकता है और बड़ी दुर्घटना को जन्म दे सकता है। यह मार्ग एक व्यस्ततम मुख्य मार्ग है, जहां से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग पैदल, साइकिल, बाइक, और चारपहिया वाहनों से गुजरते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हाल ही में आई तेज आंधी में इलाके में कई खंभे और बिजली के तार टूट गए थे। हालांकि, यह खंभा उस वक्त केवल हल्का सा टेढ़ा हुआ और किसी तरह टिक गया, लेकिन अब इसकी हालत नाजुक बनी हुई है। लोगों की जान लगातार खतरे में है, परंतु संबंधित अधिकारी स्थिति को नजरअंदाज कर रहे हैं।

टिकरा बिजलीघर, जहां से यूपीपीसीएल (U.P.P.C.L) के माध्यम से बिजली की आपूर्ति की जाती है, वहीं पास में स्थित है। वर्तमान में यहां कार्यरत जेई विवेक सोनकर की गैरमौजूदगी में सुधीर उत्तम को कार्यभार सौंपा गया है। इसके बावजूद, इस गंभीर स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

बबलू तिवारी (निवासी - ग्राम झखरा) ने कहा, यह खंभा बिल्कुल नीचे से टूटा हुआ है और ऊपर से केवल तारों के सहारे खड़ा है। यह किसी भी समय गिर सकता है। हमने कई बार बिजली विभाग के कर्मचारियों को इस बारे में जानकारी दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस सड़क से हर रोज हजारों लोग निकलते हैं, और अगर यह गिरा तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता है। हम लोग यहां जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। प्रशासन को तत्काल इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

आनंद पांडे (निवासी - ग्राम पिपरा) ने बताया, मेरी गुमटी ठीक उसी खंभे के पास है। हर बार जब हवा तेज चलती है, तो दिल दहल जाता है। लगता है कि अब गिरा - अब गिरा। यह खंभा पिछली आंधी में भी थोड़ा टेढ़ा हुआ था, लेकिन अब इसकी हालत और बिगड़ चुकी है। मैंने खुद कई बार बिजलीघर के कर्मचारियों से इसकी मरम्मत के लिए कहा, पर किसी ने गंभीरता से संज्ञान नहीं लिया। अगर कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी। हमें डर के साए में व्यापार करना पड़ रहा है।

बिजली विभाग के कर्मचारियों ने आज सुबह मौके पर पहुंचकर पुराने खंभे को हटाया और नया खंभा स्थापित कर लाइन को सुरक्षित रूप से बहाल किया। इसके बाद राहगीरों और स्थानीय व्यापारियों ने राहत की सांस ली ।स्थानीय निवासी बबलू तिवारी ने बताया, स्वराज इंडिया की खबर के बाद ही कार्रवाई शुरू हुई। हम लोगों की बात को आखिर किसी ने गंभीरता से सुना।

अब हमें हर रोज डर के साए में चलना नहीं पड़ेगा ।गुमटी संचालक आनंद पांडे ने कहा, हर तेज हवा के साथ दिल बैठ जाता था। अब खंभा बदल गया है, तो चैन मिला है। ये सब मीडिया की वजह से संभव हुआ है ।स्वराज इंडिया न्यूज़ इस जिम्मेदारी के साथ आगे भी जनता की आवाज उठाता रहेगा और प्रशासनिक लापरवाहियों पर सख्त नजर बनाए रखेगा।

धूमधाम से मनाया गया बाला जी का वार्षिकोत्सव

» श्री बालाजी मित्र मंडल द्वारा वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। श्री घाटा मेहंदीपुर वाले बालाजी महाराज का वार्षिकोत्सव धूम-धाम से गीतांजलि लोन मॉल रोड में रविवार को किया मनाया गया। वही कार्यक्रम संयोजक बालाजी महाराज के कृपा पात्र महंत रवीश कुमार गुप्ता उर्फ (बाबूजी) ने बताया कि श्री बालाजी महाराज का भव्य दरबार, छप्पन भोग, इत्र पुष्प वर्षा, अदभुत चोला, नृत्य नाटिका, अखंड ज्योति एवं विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत श्री बालाजी महाराज का विधि - विधान से पूजा अर्चना कर किया गया जो प्रभु की इच्छा तक चलेगा ।

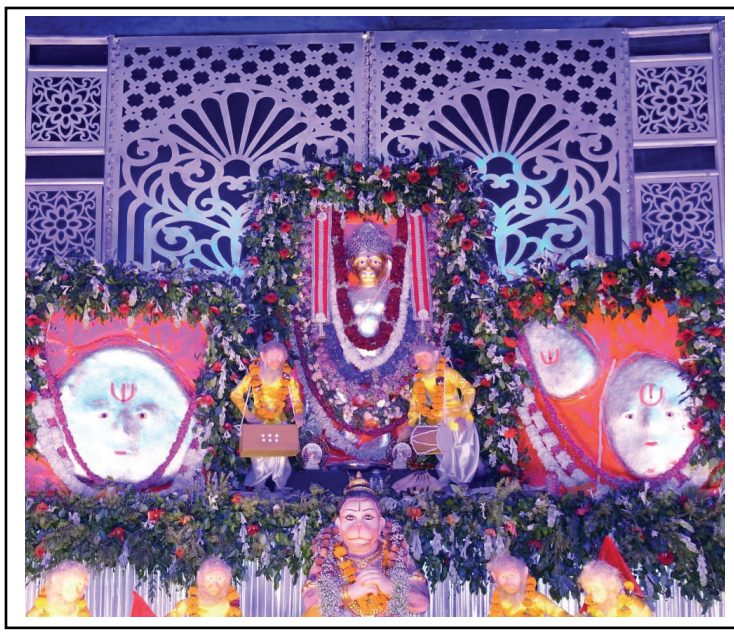

वही कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिला मंडल द्वारा महारास एवं श्री श्याम आराधना म्यूजिकल ग्रुप रहा आज भजन गायक ,संदीप दीक्षित, श्रतिक गुप्ता, हर्ष गॉड, शुभम जौहरी भजन गायिका आराधना शुक्ला ने भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हुआ वही श्री बालाजी महाराज के भजनों से भक्तगण झूमने को मजबूर हुए आज इस कार्यक्रम में पनकी मंदिर के श्री श्री 1008 जितेन्द्रदास महाराज और साथ में सांसद , विधायक एवं मंदिर के महंत सहित गणमान्य लोग श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे जहां उनको पटका पहनाकर एवं श्री बालाजी महाराज की फोटो फ्रेम देकर सम्मानित किया गया मंडल के महंत बताते हैं कि बालाजी जब-जब भी संकट कुछ गायरा होता है मेरे दरवाजे पर हनुमान का पहरा होता है मीडिया प्रभारी प्रशांत शर्मा, महेश गुप्ता, निशांत शर्मा, योगेश अग्रवाल अमित सैनी ,विवेक अग्निहोत्री ,अंकुर अवस्थी ,विपिन, शिवम ,राघवेंद्र बजाज ,शिवम ओमर, अतुल, उमेश, नितेश, अमन शुक्ला, आदि मंडल सदस्य मौजूद रहे।

सम्पादकीय

आर्थिक असमानता दूर करनी भी जरूरी

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है।

निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं।

इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए,लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। भारत के विकास की गाथा तभी लिखी जा सकती है, जब हम इस असमानता की खाई को पाटकर गरीबी को कम करने की दिशा में आगे बढ़ें। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान,समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। निर्धन आबादी के लिये जनकल्याण की योजनाएं जरूर चलायी जानी चाहिए, लेकिन एक वक्त के बाद सरकारी सहायता पर उनकी निर्भरता को कम करना भी उतना ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, शिक्षा के प्रसार से इस वर्ग की उत्पादकता बढ़ाने की भी कोशिश की जानी चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

नये कश्मीर के लिए नई उम्मीद जगाती एक ट्रेन

ज्योति मल्होत्रा

कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन की ऐतिहासिक शुरुआत कश्मीर के लिए मरहम भी है और साथ ही नये कश्मीर के लिए बदलाव का प्रमाण भी। पहला सबूत यह कि पहलगाम नरसंहार के विरोध में कश्मीरियों ने प्रदर्शन किया। बेशक पूर्ण राज्य बहाली की मांग के बावजूद सीएम उमर अब्दुल्ला ने नयी भूमिका से सामंजस्य बैठाया है। वहीं पीएम मोदी के भाषण में सकारात्मक-सार्थक संवाद के संकेत मिले हैं।वर्ष 1897 में हुई सारागढ़ी की लड़ाई के एक साल बाद (वह इलाका अब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में है) और लगभग उस वक्त, जब चीन एक विदेशी शासन के खिलाफ विद्रोह (जिसे बॉक्सर विद्रोह के रूप में जाना जाता है) में लिप्त था, 1898 में डोगरा महाराजा प्रताप सिंह ने तत्परता से ब्रिटिश इंजीनियरों को रेलवे लाइन बनाने के वास्ते नियुक्त किया था, वह जो उनके राज के जम्मू संभाग को कश्मीर घाटी से जोड़ सके।

आज जब कटरा से वंदे भारत ट्रेन पहली बार श्रीनगर के लिए निकली - जिसकी सभी टिकटें बिक चुकी थीं - दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत दृश्यों के बीच से होते हुए और साथ ही हिंदू-बहुल जम्मू और मुस्लिम-बहुल कश्मीर के दिलो-दिमाग को जोड़ते हुए, तो महाराजा का वह सपना आखिरकार फलीभूत हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के माध्यम से रेलवे और केंद्र के सभी बुनियादी ढांचा मिशनों को आगे बढ़ाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी ले सकते हैं,न केवल चिनाब पर इंस्टा-रेडी आर्च ब्रिज बनाने के लिए, बल्कि जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच 272 किलोमीटर लंबी पटरियों पर 38 सुरंगों और 927 पुलों के लिए भी।सात जून निश्चित रूप से खास है- पाकिस्तान में आतंकियों के कई मुख्य ठिकानों पर 7 मई को किए गए हमले के ठीक एक महीने बाद, जिसमें वहां के पंजाब प्रांत के बीचों-बीच मुरीदके और बहावलपुर स्थित अड्डे भी शामिल थे, पहली बार यह रेलगाड़ी चली है। ट्रेन पर सवार यात्री पर्यटक होने से कहीं अधिक थे; वे दो विचारों के बीच मेल की जीवंत पुष्टि कर रहे थे। पहला, कि गोलियां बहादुरों को नहीं रोक सकतीं और दूसरा, कि केवल कायर ही अपने प्रतिद्वंद्वी को अपनी बात समझाने के लिए मतपत्र की बजाय उसे मिटाने के लिए गोलियों का इस्तेमाल करते हैं।

कश्मीर के लिए यह ट्रेन मरहम और प्रमाण, दोनों का काम करती है - वास्तव में तीन किस्म का प्रमाण। पहलगाम के नृशंस नरसंहार के कारण अमीर खुसरो की जन्नत में पर्यटन लगभग ठप्प सा हो गया था। कश्मीरियों ने मस्जिदों से और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करके अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। यह इस बात का पहला सबूत है कि नए कश्मीर में मिज़ाज बदला-बदला सा है।

बेचारा असीम मुनीर। तथाकथित 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को दलदल से बार-बार बाहर निकालने की पाकिस्तान की हसरतों को किसी और ने नहीं बल्कि उसी कश्मीरी ने नाकाम कर दिया, जिसके नाम पर इस सिद्धांत को उछाला जाता है। वे 1947 में यह नहीं चाहते थे और 2025 में भी ऐसा नहीं चाहते। पाकिस्तान के सेना प्रमुख एक 'सयाने' व्यक्ति हैं; अब समय आ गया है कि वे कश्मीरी आवाम के इस संदेश को बूझें और समझें ='कश्मीर को अकेला छोड़ दो' ।मुनीर और उनके सैन्य प्रतिष्ठान को पता होना चाहिए कि पहलगाम हिंसा अनुच्छेद 370 के ताबूत में आखिरी टेढ़ी कील साबित होगा। कश्मीर के अंदर तमाम वो लोग जिन्होंने 2019 में अपने 'विशेष दर्जे' के अंत का शोक मनाया था, और आज भी 'आज़ादी' रूपी भ्रम में यकीन रखते हैं, आज, इस बड़े खेल के बड़े जोखिम को अब पूरी तरह से समझ गए होंगे ।शायद, प्रधानमंत्री मोदी को भी जम्मू और कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न होने के बाद गुजरे नौ महीनों को लेकर कुछ आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। और सवाल करें कि असीम मुनीर के 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' के खिलाफ सबसे अच्छे हथियार के रूप में पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली, उस सूबे को क्यों नहीं दी जा सकती

तकनीकी दक्षता से युद्ध संचालन में शूरवीरता

नए युद्ध के दौर

सुरेश सेठ

, 21वीं सदी के युद्ध ?निरंतर स्वरूप बदलते जा रहे हैं।?अब आमने-सामने की लड़ाई के स्थान पर आधुनिक मिसाइलों व ड्रोन शक्ति का उपयोग निर्णायक साबित हो रहा है।?लेकिन इस युद्ध में आर्थिक क्षति ज्यादा है।वाकई इस सदी में युद्ध और शौर्य के मायने बदल गए हैं। अब आमने-सामने की लड़ाइयों की जगह तकनीकी आधारित युद्ध ने ले ली है। जहां शौर्य का मूल्यांकन सैनिकों द्वारा आधुनिक हथियारों और तकनीक के प्रभावी उपयोग से होता है। आज युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि रक्षा उद्योग और प्रचार तंत्र भी मिलकर लड़ते हैं। आज के युद्धों में आमने-सामने की लड़ाई लगभग खत्म हो चुकी है। अब सटीक मिसाइलों और ड्रोनों के जरिये सैकड़ों मील दूर से दुश्मन को निशाना बनाया जाता है।

शूरवीरता अब तकनीकी दक्षता से युद्ध संचालन में झलकती है। ड्रोनों के युद्ध में लक्ष्य महत्वपूर्ण होता है, न कि सैनिक की उपस्थिति। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, जहां यूक्रेनी ड्रोन हमलों से रूस के हवाई ठिकानों को भारी नुकसान हुआ।

सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के अनुसार, आधुनिक युद्धों का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। अब युद्ध कृत्रिम मेधा और हाइपरसोनिक तकनीक से संचालित होंगे, जिसके लिए सैन्य बलों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करना जरूरी है। इन युद्धों में जान की क्षति कम, लेकिन आर्थिक तबाही अधिक होती है। साथ ही, युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि प्रचार तंत्र से भी लड़े जाते हैं, जहां दुश्मन के झूठ का सामना सच से करना पड़ता है।

भविष्य की चुनौतियों को यदि आने वाले युद्धों के संदर्भ में देखा जाए, तो स्पष्ट होता

है कि धरती का सच, राजनीति का सच और युद्ध के परिदृश्य अब बदल चुके हैं। तकनीकी बदलाव इतनी तेजी से हुए हैं कि पारंपरिक शौर्य पीछे छूट गया है ।पहले युद्ध उद्योगों की तबाही का प्रतीक माने जाते थे, लेकिन अब बिना उद्योगों के सहयोग और समर्थन के युद्ध लड़ा ही नहीं जा सकता। एक ओर जहां सेनानायक युद्ध का नेतृत्व करते हैं, वहीं दूसरी ओर उद्योग जगत भी एक समानांतर युद्ध लड़ता है। अत: यदि हमारे सेनानायक यह कहते हैं कि भारत को हथियारों के उत्पादन में आत्मनिर्भर होना चाहिए, तो यह बात पूरी तरह सही है। न केवल आत्मनिर्भरता, बल्कि रणनीति में अधुनातन हथियारों का निरंतर प्रयोग और उनका नियमित नवीनीकरण भी आवश्यक है ।अब युद्धों में सैंसर, लंबी दूरी तक मार करने वाले हाइपरसोनिक हथियारों, कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। शूरवीर पायलटों की जगह अब सटीक निशाना साधने वाले ड्रोन ने ले ली है ।हाल ही में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सेना के सशक्तीकरण की बड़ी-बड़ी योजनाएं तो घोषित की जाती हैं, लेकिन वे समय पर पूरी नहीं होतीं। उन्होंने तेजस विमानों की आपूर्ति में देरी को विशेष रूप से चिन्हित किया। यदि कोई योजना घोषित की जाती है, तो उसका समय पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए ।सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भी कहा कि हमें युद्ध की सच्चाई का सामना करना चाहिए। अपनी त्रुटियों का आकलन कर उन्हें तत्काल सुधारना आवश्यक है। तत्पश्चात दोगुने उत्साह के साथ आक्रामक रणनीति अपनानी चाहिए ।जहां तक प्रचार तंत्र का प्रश्न है, वह भी अब युद्ध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आज युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों के बीच नहीं, ।उनके लिए युद्ध एक सतत बाजार बन गया है—जहां उनके रक्षा उत्पादों की खपत निरंतर बढ़ती रहे। यही कारण है कि युद्ध का माहौल बनाए रखना भी कुछ देशों की नीति का हिस्सा बन गया है—चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, चीन और ताइवान के बीच तनाव हो या भारत-पाकिस्तान के बीच जारी छद्म युद्ध। इस परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी विजय के दावे दुश्मन के झूठ पर भारी पड़ें।?हमारा प्रचार तंत्र इतना सशक्त होना चाहिए कि वह दुनिया को सच्चाई बता सके।

गोविंदनगर की ईएसआईसी डिस्पेंसरी भी 'भगवान भरोसे'

» भीषण गर्मी में मरीज़ कराहते रहे, डॉक्टर नदारद

» ईएसआईसी डिस्पेंसरी प्रातः नौ बजे खुलने का समय साढ़े नौ बजे पसरा मिला सन्नाटा, मरीज कराहते मिले, पीड़ित बच्चों की देह तपती रही

» बीमित मरीज बोले यहाँ का यही हाल 11 बजे से पहले नहीं मिलते डाक्टर, दस बजे तक कर्मचारी रहते गायब, सवा नौ बजे आया सफाई कर्मचारी

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। सूबे के मुख्यमंत्री सुशासन को लेकर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसके बाद भी सरकारी सेक्टर बेलगाम हैं। कानपुर महानगर के गोविंदनगर राज्य कर्मचारी बीमा अस्पताल (ईएसआईसी) कर्मचारी जनहित से मुँह मोड़कर सरकार के दावों को ठेंगा दिखाते हैं।

सोमवार को शहर के गोविन्द नगर स्थित ईएसआईसी डिस्पेंसरी के हालत लोगों को मुँह चिढ़ाते नज़र आये। लिखापढ़ी में डिस्पेंसरी खुलने का समय प्रातः नौ बजे है। पीड़ित बीमित कर्मचारी

सुबह 9 बजे खुलने का समय गोविन्द नगर डिसपेंसरी

संजय सरोज मुख्य चिकित्सा अधीक्षक गोविन्द नगर की कुर्सी खाली

अपनी ड्यूटी से पहले अपने स्वास्थ्य के लिए यहाँ से सहूलियतें प्राप्त कर सकते हैं लेकिन यहाँ उनको कोई पूंछने वाला भी नहीं होता है।सूत्रों ने बताया कि यहाँ कोई मिलता भी है तो दस बजे के बाद। ईएसआईसी डिस्पेंसरी गोविंदनगर के प्रभारी डॉक्टर संजय सरोज हैं। हमारे संवाददाता ने प्रातः अस्पताल की हकीकत जानने के लिए यहाँ विज़िट किया तो नज़ारे अलग नजर आए। एक बीमित कर्मचारी ने बताया वह हमेशा 10 बजे के बाद 11 बजे तक ही अस्पताल में आते हैं। अन्य स्टाफ 10 बजे ही आता है। सवा 9 बजे सफाई कर्मचारी आया तो मरीजों ने डॉक्टर के आने बाबत पूंछतांछ की तो वह बोले दस के बाद मिलेंगे। अस्पताल का अन्य स्टाफ नदारद था। सफाई कर्मचारी ने गेट खोला तो स्थिति साफ़ थी, स्टाफ की कुर्सियां खाली थीं।

डॉक्टर बोले थोड़ी देर के लिए गया था घर

इस मामले में हमने गोविन्द नगर स्थित ईएसआईसी डिस्पेंसरी प्रभारी डॉक्टर संजय सरोज से वार्ता की तो उन्होंने बताया कि अस्पताल सुबह नौ बजे खुल जाता है आज उनके पेट में कॉन्स्टिपेशन की शिकायत थी इस लिए नौ बजे आकर बाद में प्रसाधन के लिए घर गए थे। मरीज बाहर होने पर बताया कि अस्पताल परिसर का गेट इस लिए बंद था की अंदर सफाई अच्छे से हो जाये। फोन पर वार्ता के दौरान उन्होंने अपने पास मौजूद कुछ लोगों से वार्ता भी कराई जो फोन पर बोल रहे थे की यहाँ सब ठीक है हमें कोई दिक्कत नहीं है हम बच्चों के साथ दवा लेने आते हैं।

डॉक्टर के इंतजार में बीमित मरीज

मां काली के दरबार में बांटा गया शरबत

राहगीरों को ठंडा पेय वितरण किया गया ममतामयी मंडल ने बांटा सेवा भाव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। तपती गर्मी में जहां लोग राहत की तलाश में हैं, वहीं मां काली के भक्तों ने मानव सेवा का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। शुक्लागंज स्थित कंचन नगर में ममतामयी मंडल द्वारा मां काली के दिव्य दरबार में सोमवार को ठंडे पेय पन्ना का वितरण किया गया।

सेवा भाव से ओत-प्रोत यह

आयोजन सुबह से देर शाम तक श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के साथ चलता रहा। राहगीरों, स्थानीय निवासियों और भक्तों ने प्रसाद स्वरूप पन्ना ग्रहण कर गर्मी से राहत पाई। जयकारों से गूंजते माहौल में श्रद्धालुओं ने मां काली का आशीर्वाद प्राप्त किया और आयोजन की सराहना करते हुए आयोजकों को साधुवाद दिया।

मंडल के सदस्यों ने बताया कि यह सेवा कार्य मां काली की कृपा से संभव हुआ है और भविष्य में भी जनकल्याण के ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। इस आयोजन ने ना केवल तन को ठंडक पहुंचाई, बल्कि मन को भी भक्ति भाव से सराबोर कर दिया।

अकबरपुर नगर पंचायत घोटाला पूर्व चेयरमैन सहित पांच पर मुकदमा

» पूर्व चेयरमैन महेंद्र कटियार उर्फ बबलू और पत्नी ज्योत्सना कटियार और रिश्तेदारों पर कार्रवाई

34 लाभार्थियों को दोहरा भुगतान, शौचालय योजना में खुली अनियमितताओं की परतें

दो करोड़ से अधिक की शासकीय धनराशि का दुरुपयोग, रिश्तेदारों की फर्म को दिया लाभ

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। नगर पंचायत अकबरपुर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण योजना सहित अन्य कई मामलों में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता सामने आई है। जांच रिपोर्ट में 34 लाभार्थियों को एक ही योजना के तहत दो बार भुगतान कर कुल ?2,72,000 का लाभ कुनाल कांट्रैक्टर नामक फर्म को पहुंचाया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि फर्म का पंजीकरण समाप्त होने के बाद भी इसे कार्य आवंटित कर भुगतान जारी रखा गया। यह संदेह अब सच्चाई में बदलता दिख रहा है कि योजनाबद्ध तरीके से नियमों की अनदेखी कर शासकीय धन का दुरुपयोग कर लूटपाट की गई। इस मामले में पूर्व पूर्व चेयरमैन महेंद्र कटियार उर्फ बबलू, और उनकी पत्नी पूर्व चेयरमैन ज्योत्सना कटियार सहित 5 पर मुकदमा दर्ज किया गया।

कुनाल कांट्रैक्टर की फर्म को नगर पंचायत द्वारा जेसीबी किराये के नाम पर ?32,90,215 का भुगतान किया गया, जिसकी वैधता पर गंभीर सवाल उठे हैं। इसके पीछे मुख्य साजिशकर्ता के रूप में पूर्व अध्यक्ष ज्योतिषना कटियार के रिश्तेदारों का नाम सामने आया है।

फर्म का संचालन उनके पति महेन्द्र कटियार, भतीजे राहुल कटियार और ममेरे भाई विवेक कुमार द्वारा किया जा रहा था। यह सीधे तौर पर शासनादेश और नगर

ज्योत्सना कटियार

पालिका अधिनियम की धारा-82 का उल्लंघन है, जो निकट संबंधियों को सरकारी कार्य में शामिल होने से प्रतिबंधित करता है।

दोषियों पर शिकंजा कसने की तैयारी, एफआईआर के निर्देश जारी

लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों पर संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

जांच रिपोर्टों के आधार पर तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योतिषना कटियार, उनके पति महेन्द्र कटियार, फर्म के प्रोप्राइटर

पूर्व चेयरमैन महेंद्र कटियार उर्फ बबलू

राजाराम, विवेक कुमार व राहुल कटियार के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे।

आरोपियों पर शासकीय धन का दुरुपयोग, कूटरचित दस्तावेजों के प्रयोग, सांठगांठ और लाभ पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप हैं। कुल मिलाकर ?2,46,80,542 की सरकारी राशि के गबन का आरोप सभी पर तय हुआ है, जो कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ चुका है।

जिस भाई के दिल में घोंपा था सूजा वो उसके अंतिम संस्कार के लिए गिड़गिड़ाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पुलिस ने रविवार को हत्यारोपी को जेल भेज दिया। मृतक का अंतिम संस्कार भगवतदास घाट पर हुआ। बादशाहीनाका में शनिवार को बिजली का बिल जमा न करने पर हत्या हुई थी।

बादशाहीनाका में बिजली का बिल जमा न करने को लेकर छोटे भाई विजेंद्र की सीने में सूजा घोंपकर हत्या करने के मामले में रविवार को हत्यारोपी जितेंद्र यादव को जेल भेज दिया गया। जेल जाने से पहले आरोपी ने पुलिस से गिड़गिड़ाते हुए कहा कि उसे अपने भाई के अंतिम संस्कार में भगवतदास घाट में शामिल होने दिया जाए। बोला जो होना था वो हो गया अब क्या कर सकता हूं।

वहीं रविवार को घटनास्थल पर वीडियो वायरल हुआ। जिसमें दिख रहा है, कि विजेंद्र घर से भैंस लेकर निकाल रहा है। तभी जितेंद्र (पिंक शर्ट) पहने आता है। दोनों में कहासुनी होती है, फिर छोटा भाई भैंस लेकर निकल जाता है। इस दौरान पीछे से

दौ?ते हुए छोटे के सिर पर एकाएक पांच डंडे सिर पर मारता है। तभी छोटा भाई भी विरोध कर हाथ पैर चलाता है। तभी जितेंद्र बर्फ की सील के पास से सूजा उठाता है और छोटे भाई के सीने में घोंप देता है।हत्या करने के बाद जितेंद्र अपने दिव्यांग पिता को ढकेलते हुए भाग निकलता है। बादशाहीनाका इंस्पेक्टर राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी जितेंद्र से पूछताछ में बिजली बिल जमा करने का विवाद ही निकला है। वीडियो में साफ दिख रहा है, कि जितेंद्र के खौफ के चलते इलाकाई लोग खड़े होकर पूरे घटनाक्रम को देखते रहे लेकिन कई एक उसका विरोध करने की हिम्मत तक नहीं जुटा सका। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों का कहना था कि अगर लोग पुलिस को समय से सूचना दे देते तो हत्या को रोका जा सकता था। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दिल में एक बार सूजा घोंपने से आंतरिक रक्तस्राव से मौत की पुष्टि हुई।

शौचालय विवाद में चले लाठी-डंडे, नौ घायल दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज

» प्रहलादपुर गांव में आपसी रंजिश बनी खूनी संघर्ष की वजह

» दोनों पक्षों की तहरीर पर दर्ज हुआ केस, घायलों को पुखरायां अस्पताल में भर्ती कराया गया

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रहलादपुर गांव में शौचालय को लेकर चली आ रही पुरानी रंजिश रविवार को खूनी झड़प में बदल गई।

दलपत पुत्र नैनसुख नायक ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उनके पड़ोसी प्रमोद, कन्हैया और दिलीप गाली-गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर भारत, अरविंद, टेनी, पवन, प्रमोद, कन्हैया व दिलीप उनके घर में घुस आए और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस झड़प में लोख सिंह, करण, अशोक, कुसुमा, कविता और मिथिलेश गंभीर रूप से घायल हो गए। भोगनीपुर पुलिस ने घायलों को मेडिकल जांच के लिए भेजा और मामला दर्ज कर लिया।

दूसरा पक्ष- जीवन सिंह ने भी लगाए गंभीर आरोप

वहीं दूसरे पक्ष से जीवन सिंह ने पुलिस को बताया कि लोक सिंह, करण, दलपत और अशोक गाली-गलौज कर रहे थे। मना करने पर सभी लोग शराब के नशे में लाठी-डंडे लेकर आ गए और जानलेवा हमला कर दिया।

इस हमले में जीवन, रविंद्र, सर्वेस, छोटे और दिलीप बुरी तरह जख्मी हो गए। देवीपुर और भोगनीपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों की तहरीर पर केस दर्ज किया है।

भोगनीपुर कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से दो-दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर शांति भंग की धारा में जेल भेजा गया है और मामले की जांच जारी है।

देवीपुर ओवरब्रिज पर भीषण हादसा- तेज रफ्तार डंपर ने ली चालक की जान

» खराब ट्रक से टकराकर मौरम लदे डंपर के चालक हसीफ की मौके पर ही मौत, गांव में पसरा मातम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह देवीपुर ओवरब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें मौरम लदे डंपर के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय हसीफ के रूप में हुई है, जो अहरौली गांव, भोगनीपुर का निवासी था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हसीफ उरई से मौरम लादकर कानपुर की ओर जा रहा था। देवीपुर ओवरब्रिज पर पहले से खड़े एक खराब ट्रक से डंपर की तेज रफ्तार में सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक हसीफ की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की खबर मिलते ही देवीपुर चौकी प्रभारी अनूप पांडेय अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

इस हादसे की खबर मिलते ही हसीफ के घर में कोहराम मच गया। उसकी पत्नी और दो बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और परिजनों की तहरीर मिलने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह हादसा एक बार फिर सवाल खड़ा करता है कि आखिर खराब वाहनों को सड़कों से समय रहते क्यों नहीं हटाया जाता।

साथ ही, तेज रफ्तार और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पर भी अब सख्त कार्रवाई की ज़रूरत महसूस की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

समाधान दिवस में उमड़ा फरियादियों का सैलाब, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

» रसूलाबाद तहसील में लंबी कतारें, डीएम आलोक सिंह ने शिकायतों को गंभीरता से सुना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सोमवार को रसूलाबाद तहसील सभागार में आयोजित जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

जिलाधिकारी आलोक सिंह ने एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं के निस्तारण में हीला-हवाली न की जाए और हर शिकायत का समाधान तय समयसीमा के भीतर किया जाए।

डीएम के आगमन की सूचना पर सुबह से ही तहसील परिसर में लोगों की लंबी कतारें लग गईं। सुनवाई के दौरान सुंदरपुर गजेन निवासी एक युवक ने आरोप लगाया कि गांव के सरकारी बिजली खंभे काटकर बेच दिए गए हैं।

वहीं, पाल नगर भैसायां निवासी बामनदास मंडल ने बताया कि उनके साथ आए 63 हिंदू शरणार्थी परिवारों को आवंटित कृषि भूमि की अब तक पैमाइश नहीं हुई, जिस पर डीएम ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को मापी कराने के निर्देश दिए।समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा, एसडीएम सर्वेश सिंह, सीओ सौरभ वर्मा, सीएमओ एके सिंह, तहसीलदार संतोष प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार अभिनय चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खलासी की अपने ही ट्रक से कुचलकर मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सचेंडी। औरैया से गेंहू लादकर ट्रक से शनिवार को चकरपुर मंडी पहुंचे खलासी की उसी के ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। क्षतविक्षत शव देख मंडी के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस बीच चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने पूछताछ के बाद परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने घटना संदिग्ध बताकर चालक पर हत्या का आरोप लगाया है। औरैया के गोविंदनगर निवासी बुजुर्ग रामकिशन तिवारी (65) ट्रक में खलासी थे।

उनके बहनोई सुशील ने बताया कि औरैया निवासी ट्रक मालिक व चालक शीलचंद्र के साथ ट्रक में गेंहू लादकर सचेंडी स्थित चकरपुर मंडी सुबह नौ बजे आए थे। इसी बीच चकरपुर मंडी के सामने रामकिशन अपने ही ट्रक के पीछे के पहियों की चपेट में आ गए। क्षतविक्षत शव मिलने पर चालक शीलचंद्र मौके से भाग निकला। परिवारीजनों का आरोप है कि राम किशन ने दो दिन पहले बताया था कि शीलचंद्र से उनका किसी बात पर झगड़ा हुआ था।परिजनों ने बताया कि उन लोगों को शनिवार सुबह करीब 11 बजे शीलचंद्र की पत्नी ने जानकारी दी। राम किशन की पत्नी रानी देवी और इकलौते बेटा अनुपम तिवारी ने पुलिस से आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगालने की मांग की है। सचेंडी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया हादसा कैसे हुआ, यह स्पष्ट नहीं हैं।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
● आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
● वेंटीलेटर, ए0बी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
● C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
● ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
● डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा
आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

बड़ी राहत: मान्य होंगी पहले से हासिल की गईं एक साथ दो डिग्रियां

» एक साथ दो डिग्री कोर्सेज को लेकर यूजीसी ने जारी की संशोधित गाइडलाइन

» प्राप्त दोनों डिग्रियां मान्य होंगी, चाहे वे रेगुलर, प्राइवेट या डिस्टेंस मोड में हों

प्राप्त दोनों डिग्रियां मान्य होंगी, चाहे वे रेगुलर, प्राइवेट या डिस्टेंस मोड में हों। यह नियम 2022 से पहले प्राप्त एक साथ डिग्रियों पर भी लागू होगा। देशभर के विश्वविद्यालयों से छात्रों द्वारा एक ही समय में अब तक हासिल की जा चुकी दो डिग्रियों की वैधता कायम रहेगी।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/नई दिल्ली। यूजीसी ने लाखों छात्रों को बड़ी राहत देते हुए एक समय में दो डिग्रियां प्राप्त करने की बाध्यता खत्म कर दी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम में संशोधन करने के बाद एक ही शैक्षणिक सत्र में

यूजीसी ने अप्रैल 2022 में जारी गाइडलाइन में दर्ज पूर्व के वर्षों में एक साथ दो शैक्षणिक प्रोग्राम के दावे पर रोक के प्रावधान को हटा दिया है।

नए नियमों में नोटिफिकेशन जारी होने से पहले यूजीसी के मानकों से छात्रों द्वारा एक साथ हासिल दो डिग्रियां मान्य होंगी। यूजीसी के इस फैसले से एकसाथ दो डिग्री कर चुके लाखों छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी। यूजीसी ने पांच जून की देर रात संशोधित निर्देश वेबसाइट पर जारी कर दिए। यूजीसी ने 13 अप्रैल 2022 को एकसाथ दो शैक्षिक प्रोग्राम करने के लिए गाइडलाइन जारी की थी। इसमें छात्रों के लिए दो डिग्री एक साथ करने की कुछ शर्तें थी। इसके बिंदु संख्या पांच में यूजीसी की बाध्यता थी कि नोटिफिकेशन जारी होने की तिथि से पहले का कोई भी छात्र इन लाभ के लिए दावा नहीं कर सकेगा। यानी जो छात्र 13 अप्रैल 2022 से पहले एक साथ दो डिग्रियां ले चुके थे वे इसके दायरे से बाहर हो गए थे।

यह है गाइडलाइन-

कोई भी छात्र एक साथ फिजिकल मोड में दो पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है, लेकिन दोनों की कक्षाओं का समय समान नहीं हों। छात्र किसी एक प्रोग्राम को फिजिकल मोड जबकि दूसरे को ओडीएल या ऑनलाइन मोड अथवा दोनों को ओडीएल या ऑनलाइन मोड में कर सकता है।

अब किया संशोधन, वेबसाइट पर किया सार्वजनिक-

यूजीसी ने इसी वर्ष तीन अप्रैल को हुई बैठक में उक्त नियम में संशोधन कर दिया। पांच जून को वेबसाइट पर इसे सार्वजनिक किया गया। यूजीसी ने संशोधन में पूर्व के वर्षों में लाभ लेने पर रोक की बाध्यता को हटा दिया है।

नए नियमों के अनुसार गाइडलाइन जारी होने से पहले निर्धारित मानदंडों का पालन करते हुए एक साथ किए गए दो शैक्षणिक कार्यक्रम वैध माने जाएंगे। बशर्ते वह यूजीसी प्रथम डिग्री और मास्टर डिग्री विनियम, संबंधित विवि या विवि के कानून या अध्यादेशों के अनुसार और वैधानिक व्यावसायिक परिषद, यूजीसी की दूरस्थ शिक्षा परिषद या दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से अनुमोदित हों।

यूजीसी का यह नया दिशानिर्देश भारतीय उच्च शिक्षा में एक क्रांतिकारी कदम है जो छात्रों को अपनी शैक्षणिक और करियर को हासिल करने में मदद करेगा। 2022 से पहले की डिग्रियों को भी मान्यता देने का फैसला बहुत बड़ी राहत है।

केस्ट्रॉल कम्पनी के नाम पर नकली मोबिल आयल पकड़ा

» शातिर शहर से बिल्हौर में आकर बेचते थे नकली मोबिल आयल

» पुलिस ने एक को चंडाली हाइवे ब्रिज पास के पास व दूसरे को कल्याणपुर से गिरफ्तार किया

» पुलिस को कई दिनों से मिल रही थी शिकायत

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। कानपुर शहर से बिल्हौर थाना क्षेत्र में पुलिस की आँखों में धूल झोंक सालों से केस्ट्रॉल कम्पनी के नाम पर नकली मोबिल आयल की बिक्री करने वाले शातिर इस बार बिल्हौर कोतवाल अशोक कुमार सरोज की नजरों से बच नहीं सके। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर दूसरे ठिकाने पर छापेमारी कर दूसरे को भी गिरफ्तार लिया। पुलिस ने दोनों को कानूनी कार्रवाई के बाद शनिवार को जेल भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को खास मुखबिर द्वारा पुलिस को जानकारी मिलती है कि कानपुर शहर से नकली केस्ट्रॉल मोबिल इंजन

ऑयल बेचने के लिए बिल्हौर लाया जा रहा है।सूचना मिलते ही कोतवाल अशोक सरोज ने एक पुलिस टीम थाना क्षेत्र के चंडाली के अंडरपास के नीचे केस्ट्रॉल कम्पनी के जाँचकर्ता अधिकारी के साथ वाहन चेकिंग लगा दी। तभी कानपुर से आ रही एक कार यूपी 78 एफ बी 4748 की तलाशी में केस्ट्रॉल 4टी इंजन तेल के एक लीटर वाले नकली तीस डिब्बे कार्टून में पैक के साथ पुलिस ने भौंती गंभीरपुर सचेंडी निवासी सुशांत कुशवाहा पुत्र विजय शंकर कुशवाह को गिरफ्तार किया और थाने लाकर पूछताछ की।

अभियुक्त की निशानदेही पर उसके ठिकाने पर की छापेमारी

अभियुक्त सुशांत की निशानदेही पर पुलिस ने उसके ठिकाने पर छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस ने मसवानपुर आवास विकास कल्याणपुर के दूसरे आरोपी विनीत कुशवाहा को गिरफ्तार किया। और पुलिस ने एक लीटर कैस्ट्रॉल के 28 डिब्बे, 13 डिब्बो में लगभग 400 लीटर बनावटी मोबिल आयल के साथ खाली डिब्बे,पैकिंग करने की मशीन ढक्कन, रैपर, वजन करने की मशीन आदि बरामद की। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए दोनों को जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक कई दिनों से शिकायत मिल रही थी जिस पर यह कार्रवाई की गई।

नकली मोबिल आयल बेचने वाले दुकानदार रडार पर

बिल्हौर। शहर से लाकर बिल्हौर में बिक्री करने वाले नामी कंपनी के नकली मोबिल आयल बेचने वालों को जेल भेज दिया है। पुलिस की नजर में अब वह दुकानदार हैं जो नकली आयल को खरीदकर बेचते हैं।

प्रेस का स्टीकर लगी कार चर्चा में

बिल्हौर। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद चर्चा है कि कस्बे में एक प्रेस लिखी कार वाला भूमिगत है। सूत्रों की माने तो उसी प्रेस लिखी कार में एक युवक आसपास के कई दुकानदारों को मोबिल आयल सप्लाई करता है। अब वह नकली है लेकिन पुलिस की इस कार्रवाई के बाद वह प्रेस लिखी कार चर्चा मे आ गई है। जिसमें नियम कानून ताक पर रखकर मोबिल आयल की बिक्री की जा रही थी।

गाजीपुर के ढाबे में मिली सोनम रघुवंशी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजीपुर। मेघालय के शिलांग में राजा रघुवंशी की मौत चर्चा पूरे देश में फैली है। राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी रविवार रात उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक ढाबे पर मिली। पुलिस उसे वन स्टॉप सेंटर ले गई है। जिस ढाबे पर सोनम मिली, उसके मालिक साहिल ने बताया कि वह पैदल ही ढाबे तक पहुंची थी। रात करीब एक बजे सोनम रघुवंशी नंदगंज स्थित काशी चाय जायका पहुंची।

काशी चाय जायका के मालिक साहिल यादव ने बताया कि वह पैदल ही पहुंची थी। उसने अपने भाई से फोन पर बात की, मोबाइल मांगा और फिर रोने लगी। इसके बाद सोनम के भाई ने साहिल से लोकेशन का पता पूछा और आधे घंटे बाद पुलिस आ गई और उसे अपने साथ ले गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पिछले महीने मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले से लापता हुए इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था, बावजूद इसके कि सोनम रघुवंशी गाजीपुर में पाए गए थे। आरोपी को मध्य प्रदेश के इंदौर में विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने हिरासत में लिया है।

उत्तर प्रदेश से एक संदिग्ध और इंदौर से दो अन्य को मेघालय पुलिस की एसआईटी ने हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी ने अतिरिक्त व्यक्तियों के नाम बताए हैं। डीजीपी के मुताबिक एसआईटी एजेंट मध्य प्रदेश के में रघुवंशी की पत्नी और अन्य व्यक्तियों की तलाश जारी रखे हुए हैं। डॉ। पुलिस प्रमुख हैं। इराज राजा के अनुसार, सोनम रघुवंशी को नंदगंज में एक ढाबे पर खोजा गया था। उसने सबसे पहले अपने परिवार को सूचित किया। परिवार ने क्षेत्र में पुलिस को सूचित किया। हमें स्थानीय पुलिस द्वारा सूचित किया गया।

» ढाबा मालिक साहिल ने बताया कि सोनम पैदल आई थी और अपने भाई से बात करके रोने लगी

» पुलिस ने उसे वन स्टॉप सेंटर में रखा है और पूछताछ कर रही है। मेघालय पुलिस ने राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है

ढाबे में इस हालात में मिली सोनम रघुवंशी

समाज में हत्या करवा देने का चलन क्यों बढ़ रहा है?

» किसी की हत्या करा देने का अधिकार किसी को नहीं

» समाज-पारिवारिक मान सम्मान का दबाव बड़ा कारण

» माता पिता आज भी बच्चों की पसंद को स्वीकार नहीं करते वो बच्चों से ज़्यादा समाज को तवज्जो देते हैं.

» देश की बड़ी आबादी में शादी के बाद प्रेम संबंध का बड़ा कारण ये अनचाही शादियां ही हैं.

» देश की बड़ी आबादी अपनी शादी से खुश नहीं

» समाज परिवार का दबाव न हो तो करोड़ों शादियां मिनटों में टूट जाएंगी

» मेरी तरह आप भी अनेकों लोगों को जानते होंगे जो शादीशुदा होने के बाद भी किसी न किसी से प्रेम संबंध में हैं,शादी को केवल मजबूरी में ढो रहे हैं

बच्चों की वजह सेज्समाज की वजह सेज्या घर के बड़ों का वजह सेज्ऐसे लोग गलत या सही हर किसी की निजी सोच पर निर्भर करता है.

» ये सच है कि 70-80-90 के दशक के लोग परिवार की थोपी शादियों को निभा लेते थे लेकिन सन 2000 के बाद के लोगों में ये सहनशक्ति नहीं रही

» अब कुछ लोग परिवार में अपने लिए बोलने लगे हैं, सुनवाई हो या न हो

» गलत या सही लेकिन फैसले लेने लगे हैं.यहां तक की अपराध का रास्ता चुन लेते हैं

» आज के लोग अनचाहे रिश्तों को ज़रा नहीं ढोना चाह रहे

» कुछ परिवारों में आज भी इतनी आज़ादी नहीं पसंद न पसंद पर खुल कर बात हो.

» प्यारज्शादियां सब बारूद के ढ़ेर पर है और कुछ नहीं

» वक्त रहते परिवारों को समाज को खुद में बदलाव लाना होगा वर्ना ये सब ऐसे ही चलता रहेगा

भीड़ की वजह से चलती ट्रेन से गिरे कई यात्री, चार लोगों की मौत की आशंका

ठाणे में बड़ा हादसाः छह घायल, दुर्घटना की जांच शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंबई। ठाणे के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल की ओर जा रहे कुछ यात्री ट्रेन से गिर गए। दुर्घटना का कारण ट्रेन में अत्यधिक भीड़ माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि ट्रेन मुंबई से लखनऊ के लिए जा रही थी। सेंट्रल रेलवे के मुताबिक, रेलवे प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया जा रहा है। दुर्घटना की जांच शुरू हो गई है। घटना से लोकल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार सुबह भारी भीड़ की वजह से चलती ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की मौत हो गई। हादसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। हादसे में छह अन्य घायल भी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार सुबह चलती लोकल ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच हुई, जब भीड़भाड़ वाली ट्रेन कसारा की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि व्यस्त समय में बहुत भीड़ थी, इसलिए कई लोग ट्रेन के दरवाजे पर खड़े थे। जब ट्रेन चल रही थी, तब कम से कम 10 यात्री नीचे गिर गए।उन्होंने बताया कि कसारा की ओर जा रही एक अन्य ट्रेन के गार्ड ने रेलवे अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित किया। अधिकारी ने बताया कि गिरने वाले सभी यात्रियों को कलवा में एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उनमें से चार को मृत घोषित कर दिया गया।

कैसे हुआ हादसा?

सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल धनराज नीला ने कहा, 'मुंब्रा से दिवा जाने वाली लोकल ट्रेन में यात्रा करने वाले आठ लोग गिर गए। कसारा जाने वाली लोकल ट्रेन के गार्ड ने सुबह करीब साढ़े नौ बजे इस घटना की सूचना दी। इन लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। यह घटना डाउन/फास्ट लाइन पर मुंब्रा-दिवा रेलवे स्टेशनों के बीच हुई। कसारा से लोकल ट्रेन में फुटबोर्ड पर यात्रा कर रहे लोग और इसी तरह सीएसएमटी की ओर जाने वाली ट्रेन में यात्री आपस में टकरा गए और गिर गए।

सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध

उन्होंने बताया कि कसारा जाने वाली लोकल ट्रेन के गार्ड ने पहली सूचना दी कि डाउन-ट्रैक पर छह यात्री घायल अवस्था में पड़े हुए हैं। जब एंबुलेंस मौके पर पहुंची, तो पता चला कि वहां आठ यात्री थे। हमने देखा है कि कई बार यात्री ट्रेन में जगह होने पर भी फुटबोर्ड पर खड़े होकर यात्रा करते हैं। एक यात्री ने बताया कि यह घटना का एक संदिग्ध कारण है। दो ट्रेनों के बीच की दूरी 1.5-2 मीटर होती है, लेकिन मोड़ पर थोड़ा झुकाव होता है और यह घटना का एक अतिरिक्त कारण हो सकता है।'

यात्री चपेट में आए

राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पुष्पक एक्सप्रेस से अचानक इतने सारे लोगों के बाहर निकलने और दुर्घटना होने की घटना हृदय विदारक और गंभीर है। उन्होंने कहा कि यह घटना मुंबई में रेलवे सुरक्षा पर सवाल उठाती है। ठाणे से शिवसेना के लोकसभा सांसद नरेश म्हास्के ने यात्रियों की मौत की जांच की मांग की। उन्होंने कहा, 'घटना के कारणों का पता लगाया जाना चाहिए। वे कैसे गिरे... क्या वहां भीड़ थी, क्या उन्हें धक्का दिया गया, क्या कोई झगड़ा हुआ।'

लोकल ट्रेन दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण : फडणवीस

इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि रेलवे प्रशासन दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में फडणवीस ने कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिवा-मुंब्रा स्टेशन के बीच कुल आठ यात्री लोकल ट्रेन से गिर गए और उनमें से कुछ की जान चली गई।

अजित पवार ने दुर्घटना को दुखद बताया

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया। उन्होंने कहा, 'कसारा से सीएसटी जाने वाली लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत दुर्भाग्यपूर्ण और बेहद दुखद है। ये मौतें उपनगरीय रेलवे प्रणाली में भीड़भाड़ और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत को उजागर करती हैं।'

घर पोस्टरों से सजाया गया

अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को तैयार शुभांशु शुक्ला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ के शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को तैयार हैं। उनका मिशन मंगलवार को रवाना होगा। इससे पहले उनके घर को उनकी जीवनयात्रा से जुड़े पोस्टरों से सजाया गया है। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। 41 साल बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला मंगलवार (10 जून) को सुबह एक्सिओम स्पेस के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा पर रवाना होंगे। यह मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और निजी कंपनी स्पेसएक्स की साझेदारी में संचालित किया जा रहा है।

शुभांशु शुक्ला यूपी के लखनऊ के रहने वाले हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे देश के साथ उनके घरवालों को भी गर्व है। उनके अंतरिक्ष रवाना होने से उनके घर को उनकी जीवन यात्रा से जुड़े पोस्टर लगाकर सजाया गया है। साथ ही इसमें उनको इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी गई है। इनमें वह अलग-अलग कार्यक्रमों में दिख रहे हैं। किसी में प्रधानमंत्री मोदी उनका हौसला अफ्जाई कर रहे हैं। शुभांशु अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम स्पेस के चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन का हिस्सा बनकर इतिहास रचने जा रहे हैं।

नो रूम के कारण बुकिंग बंद

जम्मू की ट्रेनें फुल, कई में टिकट बुकिंग बंद, स्पेशल गाड़ियों में लंबी वेटिंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली। छुट्टियों का सीजन और तीन जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा से पहले बरेली होते हुए जम्मू जाने वाली सभी ट्रेनें फुल हो गई हैं। बरेली होते हुए जम्मू, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और उधमपुर के लिए अप-डाउन 38 के अलावा आठ विशेष ट्रेनों का भी संचालन किया जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला और भारत-पाकिस्तान के बीच पैदा हुए तनाव के कारण जम्मू की ट्रेनों में टिकट बुकिंग का आंकड़ा अचानक घट गया था। अब हालात सामान्य होने लगे हैं। इस बीच अमरनाथ यात्रा की तारीख की भी घोषणा हो चुकी है। ऐसे में अचानक जम्मू की ट्रेनों में बुकिंग तेज हो गई है। कई ट्रेनों में नो रूम के कारण बुकिंग बंद हो गई है। बरेली से जम्मू, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और उधमपुर के लिए रोजाना औसतन 500-700 टिकट की बुकिंग हो रही है।

श्री गंगानगर में पारा 47 पार, बढ़ा गर्मी का सितम

12 जून तक गर्मी और उमस से राहत मिलने की संभावना नहीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

दिल्ली से लेकर राजस्थान तक पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा पहुंचा। फिर गंगानगर में तो गंगानगर में बीते दिन गर्मी ने ऐसा कहर बरपाया कि तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच भी गया। जबकि हरियाणा के रोहतक में पारा 45 को छू गया। दिल्ली में आज के दिन धूल भरी हवा चलने की संभावना है। इस दौरान आसमान आमतौर पर साफ रहने का अनुमान है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 2.1 डिग्री अधिक है।

रविवार को न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज भी किया गया। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में आज अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का भी अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच भी रहा।12 जून तक गर्मी और उमस से राहत मिलने की संभावना नहीं है। आज और कल के दिन के लिए अलग-अलग स्थानों पर लू का 'येलो' अलर्ट जारी किया है, क्योंकि पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच भी सकता है।

दिल्ली में 5 दिनों में तापमान 6 से लेकर 8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ भी गया है। फिर हीट इंडेक्स या महसूस होने वाला तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

हालांकि हैरानी की बात ये है कि दिल्ली में मई में एक भी दिन लू नहीं चली, जबकि इस साल अप्रैल में ऐसे तीन दिन लू वाले रहे।

फिर आईएमडी ने बुधवार और गुरुवार के लिए भी 'येलो' अलर्ट भी जारी किया है क्योंकि पारा 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

और इस बीच 13 जून से भीषण गर्मी से राहत मिलने की पूरी उम्मीद है। मौसम विभाग ने दिल्ली में 12 जून की रात से 14 जून तक बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का अनुमान लगाया है।

तब पारा 37 से 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की पूर्ण उम्मीद है। साथ ही उत्तर प्रदेश में भी गर्मी का सितम देखने को भी मिल रहा है।लखनऊ, मेरठ, कानपुर, मुजफ्फरनगर समेत कई इलाकों में गर्मी पूरा कहर भी ढाह रही है। दिन में सूरज की तपिश झुलसा रही है, रात में उमस ने चिपचिपी वाली गर्मी ने नींद भी उड़ा रखी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3-4 दिनों में अधिकतम तापमान 3-5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तक भी बढ़ सकता है।

हालांकि इसके बाद बारिश शुरू होने से पारे में कमी भी आएगी। यूपी के लोग गर्मी से राहत के लिए 11 जून का इंतजार भी कर रहे हैं।9 से 11 जून तक बुंदेलखंड, विंध्य और इसके आसपास के इलाकों में लू भी चल सकती है। गर्म पछुआ हवाएं तापमान को और बढ़ा रही हैं।

हरियाणा और पंजाब में रविवार को भीषण गर्मी रही, जहां सिरसा में सबसे अधिक 45.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि चंडीगढ़ में इस मौसम का अब तक का सबसे अधिक 42.1 डिग्री सेल्सियस तापमान भी दर्ज किया गया। हरियाणा के सिरसा में भीषण गर्मी रही, जबकि राज्य के अधिकांश अन्य स्थानों पर भी सामान्य से अधिक तापमान भी दर्ज किया गया।